Machine Translated by Google

भारत के महत्वपूर्ण जलाशय

1. भाखड़ा जलाशय

- निर्माण तिथि: 1963

- स्थान: हिमाचल प्रदेश और पंजाब सीमा

- विवरण: सतलुज नदी पर भाखड़ा बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय भारत के सबसे बड़े जलाशयों में से एक है। यह सिंचाई, जल आपूर्ति और जलविद्युत उत्पादन सहित कई उद्देश्यों को पूरा करता है। भाखड़ा जलाशय पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की कृषि भूमि को निरंतर सिंचाई प्रदान करके हरित क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. चमेरा जलाशय

- निर्माण तिथि: 1994

- स्थान: हिमाचल प्रदेश

- विवरण: यह जलाशय रावी नदी पर चमेरा बांध द्वारा बनाया गया है। इसका उपयोग मुख्य रूप से जलविद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है। जलाशय एक सुंदर क्षेत्र में स्थित है, जो इसे पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बनाता है। इस जलाशय में संग्रहीत पानी का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है, और यह रावी नदी के प्रवाह को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

3. गांधी सागर जलाशय

- निर्माण तिथि: 1960

- स्थान: मध्य प्रदेश

- विवरण: चंबल नदी पर गांधी सागर बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय चंबल घाटी परियोजना का एक प्रमुख घटक है, जिसमें सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और बिजली उत्पादन शामिल है। जलाशय आस-पास के क्षेत्रों में सिंचाई का समर्थन करता है और बाढ़ को रोकने के लिए मानसून के मौसम के दौरान जल प्रवाह को प्रबंधित करने में मदद करता है।

Machine Translated by Google

4. गोविंद बल्लभ पंत सागर (रिहंद जलाशय)

- निर्माण तिथि: 1962

- स्थान: उत्तर प्रदेश

- विवरण: यह भारत का सबसे बड़ा मानव निर्मित जलाशय है, जो सोन नदी की सहायक नदी रिहंद पर बने रिहंद बांध द्वारा बनाया गया है। यह जलाशय सिंचाई और पनबिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। यह ठंडा पानी उपलब्ध कराकर आस-पास के थर्मल पावर स्टेशनों को सहायता प्रदान करता है और उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के विशाल कृषि क्षेत्रों की सिंचाई में मदद करता है।

5. हीराकुंड जलाशय

- निर्माण तिथि: 1957

- स्थान: ओडिशा

- विवरण: महानदी नदी पर हीराकुंड बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय दुनिया के सबसे लंबे जलाशयों में से एक है, जो लगभग 55 किमी तक फैला हुआ है। यह बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हीराकुंड जलाशय आसपास के उद्योगों को भी सहायता प्रदान करता है और कई शहरों को पीने का पानी उपलब्ध कराता है।

6. इंदिरा सागर जलाशय

- निर्माण तिथि: 2005

- स्थान: मध्य प्रदेश

- विवरण: नर्मदा नदी पर इंदिरा सागर बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय
क्षमता के हिसाब से यह भारत में सबसे बड़े जलाशयों में से एक है। यह एक विशाल सिंचाई नेटवर्क का समर्थन करता है और जलविद्युत उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। जलाशय शुष्क अवधि के दौरान पानी छोड़ कर पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी भूमिका निभाता है।

7. इडुक्की जलाशय

- निर्माण तिथि: 1976

- स्थान: केरल

- विवरण: पेरियार नदी पर इडुक्की बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय केरल में जलविद्युत शक्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इडुक्की जलाशय हरे-भरे पहाड़ों से घिरा हुआ है और एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है। बांध और जलाशय राज्य में बिजली उत्पादन और जल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Machine Translated by Google

8. कोयना जलाशय

- निर्माण तिथि: 1964

- स्थान: महाराष्ट्र

- विवरण: यह जलाशय कोयना नदी पर कोयना बांध द्वारा बनाया गया है और यह महाराष्ट्र में पनबिजली का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। कोयना पनबिजली परियोजना भारत की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी परियोजनाओं में से एक है। जलाशय आस-पास के क्षेत्रों में सिंचाई और जल आपूर्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

9. कृष्ण राजा सागर (केआरएस) जलाशय

- निर्माण तिथि: 1932

- स्थान: कर्नाटक

- विवरण: कावेरी नदी पर कृष्ण राजा सागर बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय कर्नाटक में सिंचाई और जल आपूर्ति के लिए आवश्यक है। यह बृंदावन गार्डन के लिए भी जाना जाता है, जो बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह जलाशय मैसूर और मांड्या क्षेत्रों में कृषि को बढ़ावा देता है और बैंगलोर को पीने का पानी उपलब्ध कराता है।

10. मेट्टूर जलाशय

- निर्माण तिथि: 1934

- स्थान: तमिलनाडु

- विवरण: कावेरी नदी पर मेट्टूर बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय तमिलनाडु में सबसे महत्वपूर्ण जलाशयों में से एक है। यह कावेरी डेल्टा क्षेत्र के लिए सिंचाई का एक प्रमुख स्रोत है, जिसे तमिलनाडु के "चावल के कटोरे" के रूप में जाना जाता है। जलाशय पनबिजली उत्पादन का भी समर्थन करता है और आस-पास के क्षेत्रों को पानी की आपूर्ति करता है।

क्षेत्र.

Machine Translated by Google

11. नागार्जुन सागर जलाशय

- निर्माण तिथि: 1967

- स्थान: तेलंगाना

- विवरण: कृष्णा नदी पर नागार्जुन सागर बांध द्वारा निर्मित, यह दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झीलों में से एक है। जलाशय एक विशाल सिंचाई नेटवर्क का समर्थन करता है और इस क्षेत्र में जल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। यह जलविद्युत उत्पादन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

12. पोंग जलाशय

- निर्माण तिथि: 1974

- स्थान: हिमाचल प्रदेश

- विवरण: ब्यास नदी पर पोंग बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय सिंचाई और जलविद्युत शक्ति का एक प्रमुख स्रोत है। पोंग जलाशय रामसर कन्वेंशन के तहत एक मान्यता प्राप्त आर्द्रभूमि भी है, जो वन्यजीवों की समृद्ध विविधता का समर्थन करता है और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक सेवाएँ प्रदान करता है।

13. रणजीत सागर जलाशय

- निर्माण तिथि: 2001

- स्थान: पंजाब

- विवरण: रावी नदी पर रंजीत सागर बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय सिंचाई, बिजली उत्पादन और जल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। जलाशय अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है और एक पर्यटन स्थल के रूप में कार्य करता है। यह बाढ़ को नियंत्रित करने में मदद करता है और पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराता है।

राज्यों.

14. सरदार सरोवर जलाशय

- निर्माण तिथि: 2006

- स्थान: गुजरात

- विवरण: नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय नर्मदा घाटी परियोजना का एक प्रमुख घटक है। यह लाखों हेक्टेयर भूमि को सिंचाई प्रदान करता है, कई शहरों को पीने का पानी उपलब्ध कराता है, तथा जलविद्युत उत्पादन में सहायता करता है। यह जलाशय नर्मदा घाटी परियोजना के केंद्र में रहा है।

Machine Translated by Google

स्थानीय आबादी और पारिस्थितिकी पर इसके प्रभाव के कारण पर्यावरणीय और सामाजिक बहसें बढ़ गई हैं।

15. टिहरी जलाशय

- निर्माण तिथि: 2006

- स्थान: उत्तराखंड

- विवरण: भागीरथी नदी पर टिहरी बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय भारत के सबसे ऊंचे जलाशयों में से एक है। इसका उपयोग सिंचाई, पेयजल आपूर्ति और जलविद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है। यह जलाशय टिहरी हाइड्रोपावर कॉम्प्लेक्स का भी हिस्सा है, जो उत्तर भारत में बिजली आपूर्ति को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

16. तुंगभद्रा जलाशय

- निर्माण तिथि: 1953

- स्थान: कर्नाटक

- विवरण: तुंगभद्रा नदी पर तुंगभद्रा बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय रायचूर और बेल्लारी जिलों में सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण है। यह जलविद्युत उत्पादन में भी सहायक है और पीने का पानी भी उपलब्ध कराता है। यह जलाशय क्षेत्र में कृषि के लिए अभिन्न अंग है और शुष्क मौसम के दौरान जल स्तर को बनाए रखने में मदद करता है।

17. उकाई जलाशय

- निर्माण तिथि: 1972

- स्थान: गुजरात

- विवरण: ताप्ती नदी पर उकाई बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय गुजरात का दूसरा सबसे बड़ा जलाशय है। यह सिंचाई, पनबिजली उत्पादन और जल आपूर्ति में सहायक है। उकाई जलाशय सूरत और तापी जिलों की कृषि समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

Machine Translated by Google

18. वैतरणा जलाशय

- निर्माण तिथि: 1957

- स्थान: महाराष्ट्र

- विवरण: वैतरणा नदी पर वैतरणा बांध द्वारा निर्मित यह जलाशय मुंबई के लिए पीने के पानी का प्राथमिक स्रोत है। यह आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई में भी सहायक है। वैतरणा जलाशय मुंबई की जल प्रबंधन प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो पूरे वर्ष स्थिर जल आपूर्ति सुनिश्चित करता है।